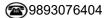


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in



One Day Training Program

शासकीय अग्रणी तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.)



(विश्व बैंक पोषित परियोजना मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना)

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2021-22

दिनांक - 24 मार्च 2022

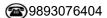




Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in



Report प्रतिवेदन

उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक 127/वि.बै.परि. /2022 भोपाल दिनांक 12/01/22 आयुक्त कार्यालय उच्च शिक्षा सतपुड़ा भवन भोपाल के द्वारा विश्व बैंक पोषित परियोजना " मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवता उन्नयन परियोजना " अंतर्गत रोजगार ,स्वरोजगार ,उधामिता, प्रशिक्षण प्रदान करने तथा प्लेसमेन्ट गतिविधियों के संचालन हेतु शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.) में 24 मार्च 2022 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह बघेल के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया |



इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विरष्ठ प्राध्यापक डॉ. जे. के. संत ने अतिथियों का परिचय दिया और प्रो. विनोद कुमार कोल ,प्रो. संगीता बासरानी ,प्रो. प्रीति वैश्य ,डॉ. गीतेश्वरी पांडेय ,डॉ. आकांछा राठोर ,डॉ. देवेन्द्र सिंह बागरी , प्रो. दुगॅश द्विवेदी प्रो. नन्दलाल गुप्ता, प्रो. संदीप द्विवेदी, प्रो. कृष्णचंद सोनी ,क्रीडा अधिकरी रामायण प्रसाद वर्मा और इन्द्रनारायण काछी , डॉ. तरन्नुम सरवत और प्रो. प्रियंका अग्रवाल ने प्राचार्य एवं अतिथि वक्ताओं का बैच लगाकर स्वागत किया | इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के 250 से अधिक छात्र \ छात्राओं ने भागीदारी कर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाया |









Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in



इस कार्यक्रम का से आयोजन दो सत्रों में किया गया ,प्रथम सत्र सुबह 11: 00 बजे से लेकर दोपहर के 1:00 बजे तक तथा द्वितीय सत्र अपरहांत के 2:00 बजे से 4:00 बजे तक किया गया | इस एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमुख विषय थे --

- 1 जैविक खेती (खाद एवं कीटनाशक)
- 2. विभागीय योजनाओं की जानकारी
- 3.प्लेसमेंट (लेर्नेट स्किल अनूपपुर
- 4. वैज्ञानिक विधि से लाख की खेती



प्रथम सत्र

कार्यक्रम के इस सत्र का संचालन प्रो. सतेन्द्र सिंह चौहान के द्वारा किया गया | प्रथम सत्र में जैविक खेती \ जैविक खाद



और जैविक कीटनाशक के सम्बन्ध में छात्र \ छात्राओं को विस्तृत जानकारी श्री व्ही .के . वर्मा , वरिष्ठ कृषि विकास

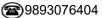




Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in



अधिकारी अनूपपुर (कृषि विभाग) के द्वारा प्रदान की गई | उन्होंने बताया की किस प्रकार से बहुत ही कम खर्च पर और कम समय में घर से निकलने वाले गीले कचरे ,पेड़ पौधों के पते , घास फूस और गाय के गोबर से जैविक खाद तैयार किया जाता है | इस प्रकार की खेती से किसी भी प्रकार का मृदा प्रदूषण नहीं होता है साथ ही फसल की लागत भी कम रहती है | इसी प्रकार हम जैविक कीटनाशक भी प्राकतिक संसाधनों का प्रयोग करके बना सकते है | नीम की पितयों ,धतूरा के पते एवं बीज ,करंज के बीज आदि से जैविक कीटनाशक तैयार कर सकते है ,और अपनी फसलो को कैमिकल कीटनाशक ,जो की महँगे होते है और मृदा प्रदूषण के कारण बनते है ,उसके प्रयोग से बचा जा सकता है |



कृषि से सम्बंधित विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी श्री भँवर सिंह परस्ते के द्वारा दी गई | श्री सिंह ने बताया की भारत की लगभग 60: से अधिक जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है | इसके साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में भी कृषि का अहम् योगदान है | उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित कृषि से सम्बंधित योजनाओं जैसे "पीएम किसान सम्मान निधि योजना ", प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना , किसान क्रेडिट कार्ड योजना , कृषि यंत्र सब्सिडी योजना , स्वायल हेल्थ कार्ड योजना तथा राज्य सरकार की योजनाये , सूरज धारा योजना , मुख्यमंत्री किसान विदेश दर्शन योजना , मध्यप्रदेश में जैविक खेती के विकास के लिए जैविक खेती प्रोत्साहन योजना ,मध्यप्रदेश कृषि में महिलाओं की भागीदारी योजना आदि योजनाओं के बारे में महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की |

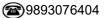




Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in





अन्पपुर जिले के युवाओं को प्लेसमेंट एवं प्रशिक्षण प्रदान करने वाली कम्पनी लेर्नेट कंप्यूटर अन्पपुर ने भी इस एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की | लेर्नेट कंप्यूटर अन्पपुर से उपस्थित हुई श्रीमती हिमानी तिवारी महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं को रोजगार के सम्बंथ में परामर्श दिया और उनका रोजगार हेतु पंजीकरण किया | महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के 48 विद्यार्थियों ने रोजगार हेतु अपना पंजीकरण कराया |

दवितीय सत्र

इस एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का संचालन प्रो .प्रीति वैश्य के द्वारा किया गया । इस सत्र में पशु पालन एवं डेयरी विभाग , अनूपपुर से डॉ . रिश्म चंद्राकर द्वारा महाविद्यालय के छात्र /छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी विषय पर प्रशिक्षण देते हुए बताया कि पशु पालन एवं डेयरी विभाग मध्यप्रदेश का मुख्य उद्देश प्रदेश में पशु धन बढ़ाने एवं दुग्ध उत्पादन में आवश्यक वृदि करना है । लघु एवं सीमांत भूमिहीन मजदूर राज्य शासन कि योजनाओं का लाभ लेकर पशुपालन कर सके एवं उनके पशु पालन से राज्य के दुग्ध उत्पादन में वृदि की जा सके। गौ सेवक योजना , पशुधन बीमा योजना , गोपाल पुरस्कार योजना ,मकेशी और भैस प्रजनन के लिए राष्ट्रीय परिजोजना , मूकर पालन योजना ,कृक्कूट पालन









Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

29893076404

योजना आदि शासन की उक्त योजनाओं का लाभ हम किस प्रकार से ले सकते हैं इस सम्बंथ में सुश्री डॉ . रिश्म चंद्राकर ने महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं को विस्तार से समझाया |

इस सत्र के दूसरे प्रशिक्षक श्री नर्मदा प्रसाद पटेल और राम निरंजन पटेल रहे जो की पेशे से किसान है और लगभग 20 वर्षों से लाख की खेती कर रहे हैं और अनूपपुर जिले के किसानों को लाख की खेती के लिए प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रहे हैं | श्री पटेल ने महाविद्यालय के छात्र / छात्रओंओं वैज्ञानिक ढंग से लाख की खेती की सम्बंथ में प्रशिक्षण दिया | श्री नर्मदा प्रसाद पटेल ने बताया की लाख की खेती बहुत ही कम खर्च में और बिना किसी विशेष देख रेख की का सकती है और किसान इसकी



खेती कर अपनी अतिरिक्त आय बढ़ा सकता है इसे कृषि के साथ भी किया जा सकता है, लाख की खेती में पलाश के पेड़ में लाख के कीड़ो को आरोपित कर दिया जाता हैं फिर यही लाख के कीड़े ट्ययस्क होकर लाख का निर्माण करते है | अनुपपुर जिले में पलाश के पेड़ बहुतायत में कृषि भूमि में पाए जाते हैं जिससे जिले के किसान सरलता से लाख की खेती कर अपनी आये को बढ़ा सकते हैं | श्री राम रंजन पटेल के द्वारा लाख के कीड़े और लाख से बनी चूडिया और अन्य सामग्रियों का प्रदर्शन महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं समक्ष किया | इस प्रकार महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं ने लाख की खेती के सम्बंथ में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया |



इस एक दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में महाविद्यालय के एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (समाजशास्त्र) के छात्र चन्दन यादव ने वर्मी कम्पोस्ट खाद कैसे बनाया और इसे बनने में किन सामग्रीयो की आवश्यकता होती है, केचुए कितने दिनों में खाद बनाकर तैयार कर देते है, इस सम्बन्ध में महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं को बताया |चन्दन स्वयं वर्मी कम्पोस्ट खाद का निर्माण करता है और अपने आस –पास के कृषको को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है |

प्रतिवेदक

विनोद कुमार कोल (सहायक प्राध्यापक) शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर जिला—अनूपपुर (म.प्र.)

